

Series : S7PQR



SET~3

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code **55/7/3**

रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

नोट	NOTE
(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 31 हैं।	(I) Please check that this question paper contains 31 printed pages.
(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।	(II) Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं।	(III) Please check that this question paper contains 33 questions.
(IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें। []	(IV) Please write down the Serial Number of the question in the answer-book at the given place before attempting it.
(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।	(V) 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

भौतिक विज्ञान (सैद्धान्तिक)

PHYSICS (Theory)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 70
Maximum Marks : 70

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र पाँच खण्डों में विभाजित है — खण्ड क, ख, ग, घ एवं ङ।
- (iii) खण्ड क में प्रश्न संख्या 1 से 16 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
- (iv) खण्ड ख में प्रश्न संख्या 17 से 21 तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।
- (v) खण्ड ग में प्रश्न संख्या 22 से 28 तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।
- (vi) खण्ड घ में प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।
- (vii) खण्ड ङ में प्रश्न संख्या 31 से 33 तक दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।
- (viii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, खण्ड क के अतिरिक्त अन्य खण्डों के कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का चयन दिया गया है।
- (ix) ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए एक अलग प्रश्न-पत्र है।
- (x) कैल्कुलेटर का उपयोग वर्जित है।

जहाँ आवश्यक हो, आप निम्नलिखित भौतिक नियतांकों के मानों का उपयोग कर सकते हैं :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान (m}_e\text{)} = 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

$$\text{न्यूट्रॉन का द्रव्यमान} = 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{प्रोटॉन का द्रव्यमान} = 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{आवोगाद्रो संख्या} = 6.023 \times 10^{23} \text{ प्रति ग्राम मोल}$$

$$\text{बोल्ट्ज़मान नियतांक} = 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$

General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

- (i) *This question paper contains **33** questions. **All** questions are **compulsory**.*
- (ii) *This question paper is divided into **five** sections – **Sections A, B, C, D and E**.*
- (iii) *In **Section A** – Questions no. **1 to 16** are Multiple Choice type questions. Each question carries **1** mark.*
- (iv) *In **Section B** – Questions no. **17 to 21** are Very Short Answer type questions. Each question carries **2** marks.*
- (v) *In **Section C** – Questions no. **22 to 28** are Short Answer type questions. Each question carries **3** marks.*
- (vi) *In **Section D** – Questions no. **29 and 30** are Case Study-based questions. Each question carries **4** marks.*
- (vii) *In **Section E** – Questions no. **31 to 33** are Long Answer type questions. Each question carries **5** marks.*
- (viii) *There is no overall choice given in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions in all the Sections except Section A.*
- (ix) *Kindly note that there is a separate question paper for Visually Impaired candidates.*
- (x) *Use of calculators is **not** allowed.*

You may use the following values of physical constants wherever necessary :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{Mass of electron (m}_e\text{)} = 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

$$\text{Mass of neutron} = 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

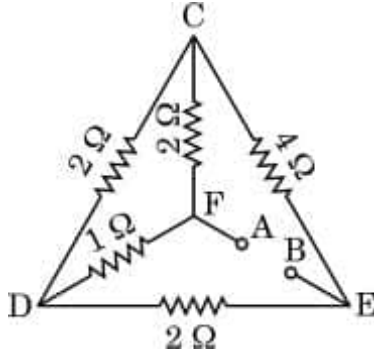
$$\text{Mass of proton} = 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{Avogadro's number} = 6.023 \times 10^{23} \text{ per gram mole}$$

$$\text{Boltzmann constant} = 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$

खण्ड क

- हाइड्रोजन परमाणु में सबसे अंदर की इलेक्ट्रॉन कक्षा की त्रिज्या $0.53 \text{ \AA}$ है। द्वितीय उद्दीपित अवस्था में इसकी कक्षा की त्रिज्या है :
 (A) $3.5 \text{ \AA}$ (B) $4.77 \text{ \AA}$
 (C) $0.747 \text{ \AA}$ (D) $0.43 \text{ \AA}$
- पाँच प्रतिरोधकों को चित्र में दर्शाए अनुसार जोड़ा गया है। बिंदुओं A एवं B के बीच 6 V की एक बैटरी जुड़ी है। भुजा FC में कितनी धारा प्रवाहित हो रही है ?



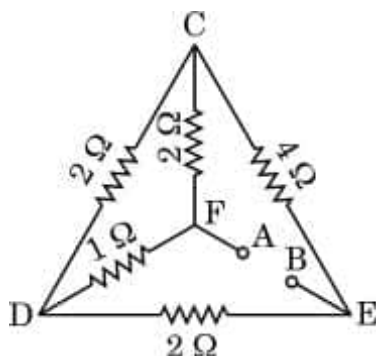
- (A) 2.0 A (B) 1.5 A
 (C) 1.0 A (D) 0.5 A
- प्रकाश की कोई किरण अपवर्तनांक $\sqrt{2}$ के माध्यम से अपवर्तनांक 1 के माध्यम में जाती है। उस किरण के लिए जो पृथक्कारी अंतरापृष्ठ को स्पर्श करते हुए जाती है, आपतन कोण होना चाहिए :
 (A) $\frac{\pi}{3}$ (B) $\frac{\pi}{4}$
 (C) $\frac{\pi}{6}$ (D) $\frac{2\pi}{3}$
- अग्रदिशिक बायसित एवं पश्चदिशिक बायसित सिलिकॉन p-n संधि में, आवेश वाहकों की गति के लिए प्रधान प्रक्रम हैं :
 (A) अग्रदिशिक बायस में विसरण, पश्चदिशिक बायस में अपवाह
 (B) अग्रदिशिक बायस एवं पश्चदिशिक बायस दोनों में ही अपवाह
 (C) अग्रदिशिक बायस में अपवाह एवं पश्चदिशिक बायस में विसरण
 (D) अग्रदिशिक बायस एवं पश्चदिशिक बायस दोनों में ही विसरण

SECTION A

1. The radius of the innermost electron orbit of a hydrogen atom is $0.53 \text{ \AA}$. The radius of orbit in the second excited state is :

(A) $3.5 \text{ \AA}$ (B) $4.77 \text{ \AA}$
(C) $0.747 \text{ \AA}$ (D) $0.43 \text{ \AA}$

2. Five resistors are joined as shown in the figure. Between the points A and B, a battery of 6 V is connected. How much current is flowing in arm FC ?



(A) 2.0 A (B) 1.5 A
(C) 1.0 A (D) 0.5 A

3. A ray of light passes from a medium of refractive index $\sqrt{2}$ into the medium of refractive index 1. For the ray to just graze along the surface of separation, the angle of incidence should be :

(A) $\frac{\pi}{3}$ (B) $\frac{\pi}{4}$
(C) $\frac{\pi}{6}$ (D) $\frac{2\pi}{3}$

4. In forward and reverse biased silicon p-n junction, the dominant mechanisms for the motion of charge carriers are :

(A) diffusion in forward bias, drift in reverse bias
(B) drift in both forward bias and in reverse bias
(C) drift in forward and diffusion in reverse bias
(D) diffusion in both forward and reverse bias

5. एकल झिरी विवर्तन प्रयोग में जब झिरी और पर्दे के बीच की दूरी दोगुनी की जाती है, तो दो फ्रिंजों के बीच कोणीय पृथक्करण होगा :
- (A) दोगुना (B) आधा
(C) अपरिवर्तित (D) एक-चौथाई
6. यदि ν_X , ν_G एवं ν_U क्रमशः एक्स-किरणों, गामा-किरणों एवं पराबैंगनी किरणों की आवृत्तियाँ हों, तो :
- (A) $\nu_X > \nu_G > \nu_U$
(B) $\nu_G > \nu_X > \nu_U$
(C) $\nu_U > \nu_X > \nu_G$
(D) $\nu_X > \nu_U > \nu_G$
7. निम्नलिखित में से किसको 'ऊष्मा तरंग' भी कहा जाता है ?
- (A) गामा किरण (B) एक्स-किरण
(C) पराबैंगनी किरण (D) अवरक्त किरण
8. अनंत लंबाई के दो ऋजुरेखीय चालक किसी समतल पृष्ठ पर खींची गई x-अक्ष और y-अक्ष के अनुदिश रखे गए हैं। यदि उनमें से प्रत्येक में I धारा क्रमशः +x-अक्ष एवं +y-अक्ष के अनुदिश प्रवाहित हो रही हो, तो स्थिति सदिश $\vec{r} = (3\hat{i} + 4\hat{j}) \text{ m}$ द्वारा निरूपित बिंदु पर नेट चुंबकीय क्षेत्र होगा :
- (A) $\frac{\mu_0 I}{6\pi} \hat{k}$ (B) $-\frac{\mu_0 I}{12\pi} \hat{k}$
(C) $-\frac{\mu_0 I}{24\pi} \hat{k}$ (D) $\frac{\mu_0 I}{48\pi} \hat{k}$
9. यह मान लीजिए कि पृथ्वी (त्रिज्या 6400 km) का पृष्ठीय आवेश घनत्व 1 इलेक्ट्रॉन आवेश/वर्ग मीटर है। पृथ्वी के पृष्ठ का विभव होगा :
- (A) -0.12 V (B) -0.21 V
(C) $+2.1 \text{ V}$ (D) $+1.2 \text{ V}$

5. When the distance between the slit and screen is doubled, the angular separation between two fringes in single-slit diffraction experiment will :
- (A) be doubled (B) be halved
(C) remain constant (D) become one-fourth
6. If ν_X , ν_G and ν_U are frequencies of X-rays, Gamma-rays and UV rays respectively, then :
- (A) $\nu_X > \nu_G > \nu_U$
(B) $\nu_G > \nu_X > \nu_U$
(C) $\nu_U > \nu_X > \nu_G$
(D) $\nu_X > \nu_U > \nu_G$
7. Which of the following is also referred to as 'heat waves' ?
- (A) Gamma rays (B) X-rays
(C) UV rays (D) Infrared rays
8. Two infinitely long straight conductors lie along x-axis and y-axis in the plane of the page. If they carry current I each along +x-axis and +y-axis respectively, the net magnetic field at a point with position vector $\vec{r} = (3\hat{i} + 4\hat{j})$ m will be :
- (A) $\frac{\mu_0 I}{6\pi} \hat{k}$ (B) $-\frac{\mu_0 I}{12\pi} \hat{k}$
(C) $-\frac{\mu_0 I}{24\pi} \hat{k}$ (D) $\frac{\mu_0 I}{48\pi} \hat{k}$
9. Assume that the surface charge density of the Earth is 1 electron charge/m². The potential of the Earth's surface (radius 6400 km) will be :
- (A) -0.12 V (B) -0.21 V
(C) $+2.1$ V (D) $+1.2$ V

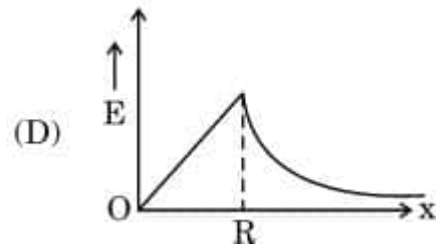
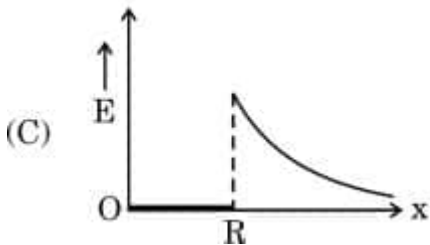
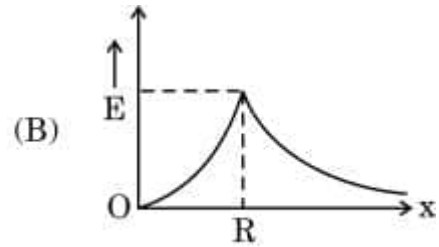
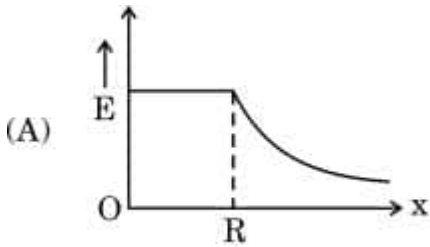
10. किसी विद्युत-चुंबकीय तरंग में, विद्युत-क्षेत्र ($\vec{E}$) एवं चुंबकीय क्षेत्र ($\vec{B}$) क्रमशः x -अक्ष एवं y -अक्ष के अनुदिश दोलन कर रहे हैं। तरंग की गमन दिशा है :

- (A) z -अक्ष के अनुदिश (B) $-z$ -अक्ष के अनुदिश
(C) x -अक्ष के अनुदिश (D) $-y$ -अक्ष के अनुदिश

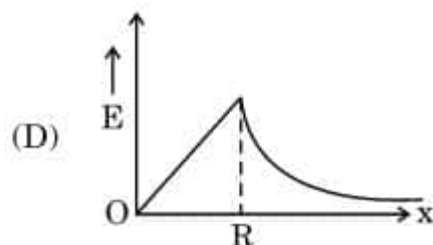
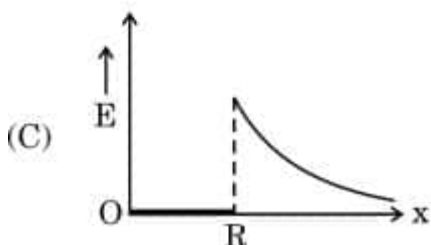
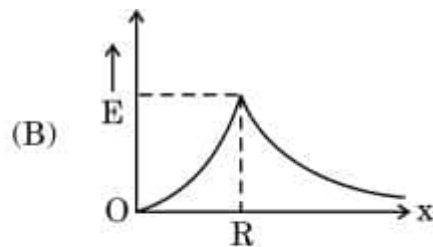
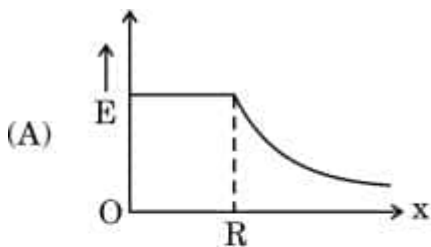
11. V वोल्टता एवं ω आवृत्ति के किसी प्रत्यावर्ती धारा (ac) स्रोत से जुड़े किसी श्रेणीक्रम LCR परिपथ में अनुनाद स्थिति में शक्ति क्षय होता है :

- (A) $I^2 \omega L$
(B) $V^2 / (\omega C)$
(C) V^2 / R
(D) $V^2 / (\omega L - \frac{1}{\omega C})$

12. R त्रिज्या के किसी चालक गोले पर Q आवेश है। दूरी $0 \leq x < \infty$ के परिसर में निम्नलिखित में से कौन-सा ग्राफ किसी बिंदु पर विद्युत-क्षेत्र E के मान का सही-सही निरूपण करता है, जहाँ x गोले के केन्द्र से उस बिंदु की दूरी है ?



10. In an electromagnetic wave, the electric field ($\vec{E}$) and the magnetic field ($\vec{B}$) oscillate along x-axis and y-axis respectively. The wave is propagating along :
- (A) z-axis (B) - z-axis
(C) x-axis (D) - y-axis
11. In a series LCR circuit connected to an ac source of voltage V and frequency ω , the power loss at resonance is :
- (A) $I^2 \omega L$
(B) $V^2 / (\omega C)$
(C) V^2 / R
(D) $V^2 / (\omega L - \frac{1}{\omega C})$
12. A conducting sphere of radius R has a charge Q on it. Which of the following graphs correctly represents the value of electric field E in the range $0 \leq x < \infty$, where x is the distance of the point from the centre of the sphere ?



प्रश्न संख्या 13 से 16 अभिकथन (A) और कारण (R) प्रकार के प्रश्न हैं। दो कथन दिए गए हैं — जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। सही उत्तर नीचे दिए गए कोडों (A), (B), (C) और (D) में से चुनकर दीजिए।

- (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
- (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।
- (D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

13. अभिकथन (A) : मुक्त न्यूट्रॉन स्थायी कण नहीं होता है।

कारण (R) : यह एक प्रोटॉन और एक इलेक्ट्रॉन में अपक्षयित हो जाता है।

14. अभिकथन (A) : जिंक के पृष्ठ पर जब पीला प्रकाश डाला जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉन उत्सर्जित होते हैं।

कारण (R) : पीले प्रकाश के फोटॉन की ऊर्जा जिंक के कार्य-फलन से अधिक होती है।

15. अभिकथन (A) : यदि सदिश क्षेत्रफल $d\vec{S}$ के किसी लघु क्षेत्र में चुंबकीय क्षेत्र $\vec{B}$ हो, तो इससे गुजरने वाला चुंबकीय फ्लक्स $\vec{B} \cdot d\vec{S}$ होगा।

कारण (R) : चुंबकीय फ्लक्स एक अदिश राशि होती है।

16. अभिकथन (A) : बोर के हाइड्रोजन परमाणु में इसकी द्वितीय कक्षा में इलेक्ट्रॉन की चाल एवं तृतीय कक्षा में इलेक्ट्रॉन की चाल का अनुपात $\frac{3}{2}$ होता है।

कारण (R) : हाइड्रोजन परमाणु की n वीं अनुमत कक्षा में इलेक्ट्रॉन की चाल $\frac{1}{n}$ के समानुपाती होती है अर्थात् $v_n \propto \frac{1}{n}$ ।

Questions number **13** to **16** are Assertion (A) and Reason (R) type questions. Two statements are given — one labelled Assertion (A) and the other labelled Reason (R). Select the correct answer from the codes (A), (B), (C) and (D) as given below.

- (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).
- (B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is **not** the correct explanation of the Assertion (A).
- (C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.
- (D) Both Assertion (A) and Reason (R) are false.

13. Assertion (A) : A free neutron is not a stable particle.

Reason (R) : It decays into a proton and an electron.

14. Assertion (A) : Electron emission from surface of zinc occurs when yellow light is incident on it.

Reason (R) : Energy of a photon of yellow light is more than the work function of zinc.

15. Assertion (A) : If $\vec{B}$ be the magnetic field at a small patch of vector area $d\vec{S}$, then the magnetic flux through the patch will be $\vec{B} \cdot d\vec{S}$.

Reason (R) : The magnetic flux is a scalar quantity.

16. Assertion (A) : The ratio of the speeds of the electron in the second to that in the third orbit in Bohr's hydrogen atom is $\frac{3}{2}$.

Reason (R) : The speed of the electron in n^{th} permitted orbit in hydrogen atom varies proportional to $\frac{1}{n}$ i.e. $v_n \propto \frac{1}{n}$.

खण्ड ख

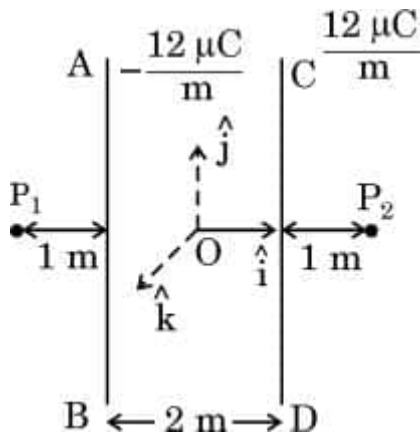
17. कोई इलेक्ट्रॉन एक प्रोटॉन के परितः r त्रिज्या की वृत्ताकार कक्षा में परिक्रमा कर रहा है। चिरप्रतिष्ठित भौतिकी का उपयोग करके सिद्ध कीजिए कि कक्षा में परिक्रमा करते हुए इस इलेक्ट्रॉन के कोणीय संवेग एवं चुंबकीय आघूर्ण के मानों का अनुपात अचर रहता है। 2
18. दो सर्वसम वृत्ताकार कुंडलियाँ A एवं B जिनमें से प्रत्येक की त्रिज्या 10 cm है संकेंद्री रूप से एक-दूसरे के लंबवत क्रमशः XY एवं YZ समतल में रखी गई हैं। YZ समतल से देखने पर कुंडलियों में 1 A एवं $\sqrt{3}$ A की धाराएँ दक्षिणावर्ती प्रवाहित हो रही हैं। कुंडलियों के उभयनिष्ठ केंद्र पर नेट चुंबकीय क्षेत्र का परिमाण ज्ञात कीजिए। 2
19. हाइड्रोजन परमाणु में इलेक्ट्रॉन के निम्नलिखित दो संचरणों में उत्सर्जित फोटॉनों की ऊर्जाओं का अनुपात ज्ञात कीजिए : 2
- (i) द्वितीय अनुमत ऊर्जा स्तर से प्रथम अनुमत ऊर्जा स्तर पर, और
- (ii) उच्चतम अनुमत ऊर्जा स्तर से प्रथम अनुमत ऊर्जा स्तर पर।
20. (क) किसी एकवर्णी प्रकाश का कोई किरण पुंज विरल माध्यम से सघन माध्यम में गमन कर रहा है। निम्नलिखित की तर्कपूर्ण व्याख्या कीजिए : 1
- (i) क्या परावर्तित एवं अपवर्तित प्रकाश की आवृत्तियाँ आपतित प्रकाश की आवृत्ति के समान होती है ? 1
- (ii) सघन माध्यम में प्रकाश की चाल का कम हो जाना क्या प्रकाश तरंग द्वारा वाहित ऊर्जा के घट जाने का द्योतक है ? 1
- अथवा**
- (ख) (i) किसी अवतल दर्पण के परावर्तक पृष्ठ का नीचे का आधा भाग किसी अपारदर्शी, अपरावर्ती पदार्थ से ढक दिया जाता है। दर्पण के सामने रखे किसी बिंब के प्रतिबिंब पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ? 1
- (ii) 1.5 अपवर्तनांक के काँच के किसी लेंस को जब किसी द्रोणिका में रखे द्रव में डुबोया जाता है तो यह अदृश्य हो जाता है। द्रव के अपवर्तनांक का मान क्या है ? 1
- प्रत्येक प्रकरण में अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।
21. ताँबे (प्रतिरोधकता $1.72 \times 10^{-8} \Omega \text{ m}$) के किसी तार में प्रति इकाई आयतन (m^3) में विद्यमान मुक्त इलेक्ट्रॉनों की संख्या 8.5×10^{28} है। इस तार में जब कोई नियत विद्युत-क्षेत्र स्थापित किया जाता है तो 1 सेकंड में किसी इलेक्ट्रॉन द्वारा किए गए संघट्टों की माध्य संख्या का परिकलन कीजिए। 2

SECTION B

17. An electron is revolving around a proton in a circular orbit of radius r . Using classical physics, prove that the ratio of value of the angular momentum and the value of magnetic moment of electron revolving in the orbit is a constant. 2
18. Two identical circular coils A and B of radius 10 cm each are placed concentrically and mutually perpendicular in XY and YZ planes respectively. Currents of 1 A and $\sqrt{3}$ A flow anticlockwise in the coils as seen from YZ plane. Find the magnitude of the net magnetic field at the common centre of the coils. 2
19. Find the ratio of energies of photons emitted during the transition of an electron in hydrogen atom from its : 2
- (i) second permitted energy level to the first permitted energy level, and
 - (ii) the highest permitted energy level to the first permitted energy level.
20. (a) A monochromatic beam of light is travelling from a rarer to a denser medium. Giving reasons, explain the following : 1
- (i) Is the frequency of the reflected and the refracted light the same as the frequency of incident light ? 1
 - (ii) Does the decrease in speed in denser medium imply a reduction in the energy carried by the light wave ? 1
- OR**
- (b) (i) The lower half of a concave mirror's reflecting surface is covered with an opaque non-reflecting material. What effect will this have on the image of an object placed in front of the mirror ? 1
- (ii) A lens made of glass of refractive index 1.5 disappears, when immersed in a trough of liquid. What is the refractive index of the liquid ? 1
- Give reasons for your answer in each case. 1
21. The number of free electrons per unit volume (m^3) in a wire made of copper (resistivity $1.72 \times 10^{-8} \Omega m$) is 8.5×10^{28} . Calculate the average number of collisions made by an electron in one second when an electric field is maintained in the wire. 2

खण्ड ग

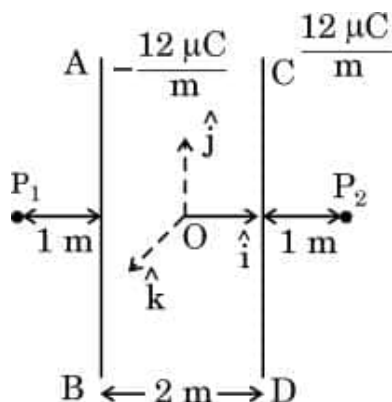
22. पूर्ण तरंग दिष्टकारी परिपथ का एक नामांकित आरेख बनाइए। इसका कार्यकारी सिद्धांत बताइए तथा निवेशी एवं निर्गम तरंग रूप दर्शाइए। 3
23. चार बिंदु आवेशों $+q, -q, +q$ एवं $-q$ को क्रमशः l भुजा के किसी वर्ग ABCD के चार कोनों पर रखा जाना है। परिकलन कीजिए :
- यह व्यवस्था निर्मित करने में किए गए कार्य का परिमाण।
 - व्यवस्था पूर्ण हो जाने के बाद बिंदु आवेश q_0 को वर्ग के केंद्र पर लाने में किए गए अतिरिक्त कार्य का परिमाण। 3
24. f_1 एवं f_2 फोकस दूरियों के दो पतले अभिसारी लेंस समाक्षीय रूप से एक-दूसरे के संपर्क में रखे गए हैं। संयोजन द्वारा प्रतिबिंब निर्माण दर्शाने के लिए किरण आरेख बनाइए। इसका उपयोग करके संयोजन की फोकस दूरी के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए। 3
25. (क) दो अनंत लंबाई के पतले ऋजुरेखीय तार AB एवं CD जिन पर आवेश घनत्व $-\frac{12\mu\text{C}}{\text{m}}$ एवं $+\frac{12\mu\text{C}}{\text{m}}$ हैं, y-अक्ष के समांतर क्रमशः बिंदुओं $(-1\text{ m}, 0, 0)$ एवं $(1\text{ m}, 0, 0)$ पर अवस्थित हैं, जैसा चित्र में दर्शाया गया है। बिंदुओं $P_1(-2\text{ m}, 0, 0)$, O $(0, 0, 0)$ एवं $P_2(2\text{ m}, 0, 0)$ पर नेट विद्युत-क्षेत्र $\vec{E}$ ज्ञात कीजिए। 3



अथवा

SECTION C

- 22.** Draw a labelled diagram of a full wave rectifier circuit. State its working principle and show the input-output waveforms. 3
- 23.** Four point charges $+q$, $-q$, $+q$ and $-q$ are to be arranged respectively at the four corners of a square ABCD of the sides l . Calculate the amount of : 3
- work done to obtain this arrangement.
 - extra work done to bring a point charge q_0 at the centre of the square when the charges at the corners are kept fixed.
- 24.** Two thin converging lenses of focal lengths f_1 and f_2 are placed coaxially in contact. Draw a ray diagram to show the image formation by the combination. Hence, derive the expression for the focal length of the combination. 3
- 25.** (a) Two infinitely long thin straight wires AB and CD with charge densities $-\frac{12\mu\text{C}}{\text{m}}$ and $+\frac{12\mu\text{C}}{\text{m}}$ are lying parallel to y-axis at points $(-1\text{ m}, 0, 0)$ and $(1\text{ m}, 0, 0)$ respectively, as shown in the figure. Find the net electric field $\vec{E}$ at points $P_1 (-2\text{ m}, 0, 0)$, $O (0, 0, 0)$ and $P_2 (2\text{ m}, 0, 0)$. 3



OR

(ख) दो आवेश $8 \mu\text{C}$ एवं $-4 \mu\text{C}$ क्रमशः बिंदुओं $(-18 \text{ cm}, 0, 0)$ एवं $(18 \text{ cm}, 0, 0)$ पर अवस्थित हैं।

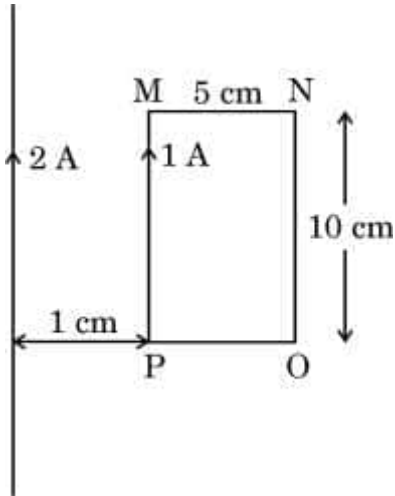
(i) इन दो आवेशों के निकाय की स्थिर वैद्युत स्थितिज ऊर्जा का परिकलन कीजिए।

(ii) आवेशों का यही निकाय एक ऐसे क्षेत्र में रखा है जहाँ स्थिर वैद्युत विभव $V(r) = \frac{A}{r}$ है, जहाँ $A = 9 \times 10^4 \text{ V.m}$ है। निकाय की स्थितिज ऊर्जा का परिकलन कीजिए।

3

26. चित्र में $5 \text{ cm} \times 10 \text{ cm}$ आमाप के एक तार का आयताकार लूप MNOP दर्शाया गया है जिसमें 1.0 A की अपरिवर्ती धारा प्रवाहित हो रही है। लूप के निकट एक लंबा ऋजुरेखीय तार रखा है जिसमें 2.0 A धारा प्रवाहित हो रही है। यदि लूप और तार एक ही समतल में हैं, तो ज्ञात कीजिए :

3



- (i) लूप पर लगने वाला बल-आघूर्ण, और
- (ii) लूप पर आरोपित नेट बल का परिमाण और दिशा।

27. दो अभिसारी लेंस L_1 एवं L_2 जिनकी फोकस दूरियाँ क्रमशः 144 cm एवं 6 cm है किसी नलिका में समाक्षीय रूप से एक-दूसरे से 147 cm की दूरी पर व्यवस्थित किए गए हैं। इस व्यवस्था का उपयोग नेत्र को L_2 के निकट लाकर किसी दूरस्थ वृक्ष को देखने के लिए किया जाता है।

- (i) संयोजन द्वारा प्रतिबिंब निर्माण चित्रित करने के लिए किरण-आरेख बनाइए।
- (ii) अंतिम प्रतिबिंब L_2 से कितनी दूरी पर बनेगा ?
- (iii) संयोजन के परिणामी आवर्धन का परिकलन कीजिए।

3

(b) Two charges of $8 \mu\text{C}$ and $-4 \mu\text{C}$ are located at points $(-18 \text{ cm}, 0, 0)$ and $(18 \text{ cm}, 0, 0)$ respectively.

(i) Calculate the electrostatic potential energy of the system of the two charges.

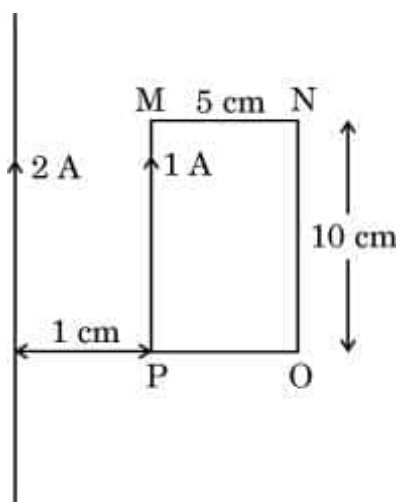
(ii) The same system of charges is placed in a region where electrostatic potential $V(r) = \frac{A}{r}$, where $A = 9 \times 10^4 \text{ V.m.}$

Calculate the potential energy of the system.

3

26. The figure shows rectangular loop MNOP of wire of size $5 \text{ cm} \times 10 \text{ cm}$ carrying a steady current of 1.0 A . A straight long wire carrying 2.0 A current is kept near the loop. If the loop and the wire are coplanar, find :

3



(i) the torque acting on the loop, and

(ii) the magnitude and direction of the net force on the loop.

27. Two converging lenses L_1 and L_2 , of focal lengths 144 cm and 6 cm respectively, are arranged coaxially in a tube 147 cm apart. The arrangement is used to view a far off tree, keeping the eye close to L_2 .

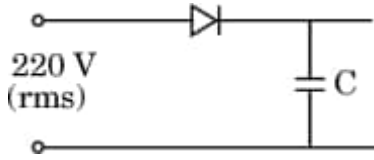
(i) Draw the ray diagram depicting image formation by the combination.

(ii) How far from L_2 will the final image be formed ?

(iii) Calculate the magnification produced by the combination.

3

28. (क) वर्ग-माध्य-मूल (rms) वोल्टता 220 V के प्रत्यावर्ती धारा (ac) स्रोत से एक संधारित्र के साथ श्रेणीक्रम में एक डायोड चित्र में दर्शाए अनुसार जुड़ा है।

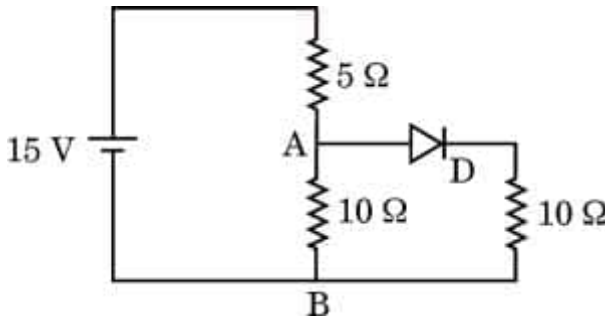


संधारित्र के सिरों के बीच वर्ग-माध्य-मूल (rms) वोल्टता का मान ज्ञात कीजिए।

1

- (ख) नीचे दिए गए परिपथ में V_{AB} का मान ज्ञात कीजिए।

2



खण्ड घ

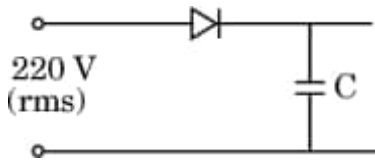
प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

29. m द्रव्यमान एवं q आवेश का कोई कण किसी विद्युत-क्षेत्र $\vec{E}$ में क्षेत्र के अनुदिश बल $\vec{F}_e$ अनुभव करता है जिसकी दिशा क्षेत्र के अनुदिश होती है। जब यह कण $\vec{v}$ वेग से किसी चुंबकीय क्षेत्र $\vec{B}$ में गमन करता है, तो यह $\vec{F}_B$ बल का अनुभव करता है जो $\vec{v}$ और $\vec{B}$ दोनों के लंबवत होता है।

यदि कण पर दोनों क्षेत्र एक साथ प्रभावी हों, तो कण पर लगने वाला नेट बल $\vec{E}$ के कारण लगने वाले बल एवं $\vec{B}$ के कारण लगने वाले बल के सदिश योग के बराबर होगा।

चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति में धारावाही चालक भी बल का अनुभव करता है। किसी धारा-अवयव $I d\vec{l}$ पर लगने वाला बल $d\vec{F}$ धारा-अवयव एवं चुंबकीय क्षेत्र $\vec{B}$ दोनों के लंबवत होता है। दी गई लंबाई के किसी चालक पर लगने वाला नेट बल सभी $d\vec{F}$ बलों के सदिश योग के बराबर होता है।

28. (a) A diode is connected to 220 V (rms) ac source in series with a capacitor as shown in the diagram.

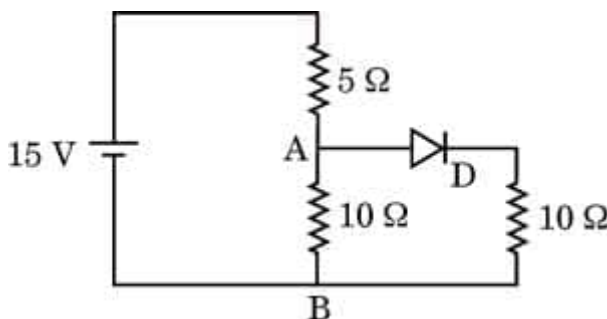


Find the voltage (rms) across the capacitor.

1

- (b) Find V_{AB} in the circuit given below.

2



SECTION D

Questions number 29 and 30 are Case Study-based questions. Read the following paragraphs and answer the questions that follow.

29. A particle of mass m and charge q experiences a force $\vec{F}_e$ in an electric field $\vec{E}$ and it is directed along the field. When the particle is moving with velocity $\vec{v}$ in a magnetic field $\vec{B}$, it experiences a force $\vec{F}_B$, that is perpendicular to both $\vec{v}$ and $\vec{B}$.
In presence of both fields, the force acting on the particle is the vector sum of that due to $\vec{E}$ and that due to $\vec{B}$.
A current-carrying conductor also experiences a force in presence of a magnetic field. The force $d\vec{F}$ acting on a current-element $Id\vec{l}$ is perpendicular to both the current element, and the magnetic field $\vec{B}$. The net force acting on a conductor of a given length is the vector sum of all $d\vec{F}$ s.

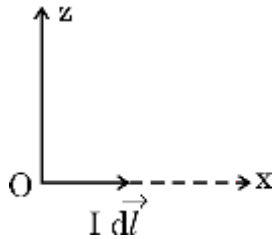
- (i) कोई आवेशित कण वेग $\mathbf{v} = (6 \times 10^6 \text{ m/s})\hat{i}$ से एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश करता है जहाँ एक चुंबकीय क्षेत्र $\mathbf{B} = (0.5 \text{ G})\hat{j}$ एवं एक विद्युत-क्षेत्र $\mathbf{E}$ विद्यमान है। यदि यह कण बिना किसी विचलन के सरल रेखीय पथ पर चलता रहता है, तो $\mathbf{E}$ बराबर है :

1

- (A) $\left(120 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{k}$
 (B) $-\left(300 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{k}$
 (C) $\left(600 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{j}$
 (D) $-\left(150 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{i}$

- (ii) प्रति इकाई लंबाई द्रव्यमान (m) का कोई धारा-अवयव ($I d\vec{l}$) वायु में चित्र में दर्शाए अनुसार पकड़ कर रखा हुआ है। मुक्त छोड़ देने पर, यह अपनी स्थिति पर लटका रहेगा, जब इस पर एक बाह्य चुंबकीय क्षेत्र $\mathbf{B}$ लगा हो, जो बराबर है :

1

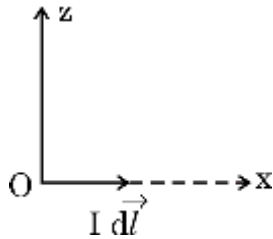


- (A) $\frac{mgdl}{I}\hat{k}$
 (B) $\frac{mg}{I}\hat{j}$
 (C) $-\frac{mg}{I d\vec{l}}\hat{i}$
 (D) $-\left(\frac{I d\vec{l}}{mg}\right)\hat{k}$

- (i) A charged particle enters with a velocity $\vec{v} = (6 \times 10^6 \text{ m/s})\hat{i}$ in a region of magnetic field $\vec{B} = (0.5 \text{ G})\hat{j}$ and an electric field $\vec{E}$. If the particle goes straight undeviated in the region, then $\vec{E}$ equals : 1

- (A) $\left(120 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{k}$
 (B) $-\left(300 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{k}$
 (C) $\left(600 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{j}$
 (D) $-\left(150 \frac{\text{N}}{\text{C}}\right)\hat{i}$

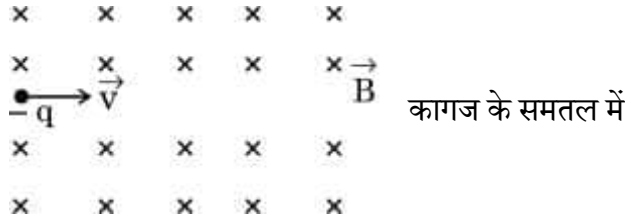
- (ii) A current-element ($I d\vec{l}$) of mass per unit length (m) is held in air as shown in the figure. After withdrawing the support, it will remain suspended in its position, when subjected to an external magnetic field $\vec{B}$ equal to : 1



- (A) $\frac{mgdl}{I}\hat{k}$
 (B) $\frac{mg}{I}\hat{j}$
 (C) $-\frac{mg}{I d\vec{l}}\hat{i}$
 (D) $-\left(\frac{I d\vec{l}}{mg}\right)\hat{k}$

- (iii) कोई ऋणात्मक आयन किसी एकसमान चुंबकीय क्षेत्र $\vec{B}$ में चित्र में दर्शाए अनुसार प्रवेश करता है।

1



यह :

- (A) बिना किसी विचलन के ऋजुरेखीय पथ पर चलेगा
 (B) वृत्ताकार पथ पर चलेगा
 (C) अर्धवृत्ताकार पथ पर चलेगा
 (D) कुंडलिनी पथ पर चलेगा
- (iv) (क) कोई इलेक्ट्रॉन 3.14×10^{-4} T के एकसमान चुंबकीय क्षेत्र में वृत्ताकार पथ पर गतिमान है। इसका परिक्रमण-काल होगा, लगभग :

1

- (A) $0.11 \mu\text{s}$
 (B) $0.28 \mu\text{s}$
 (C) $0.014 \mu\text{s}$
 (D) $0.024 \mu\text{s}$

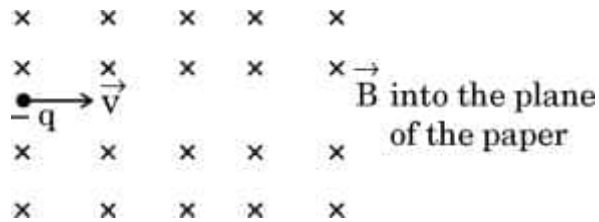
अथवा

- (ख) कोई ऐल्फा कण (द्रव्यमान 6.4×10^{-27} kg) 3.14×10^{-3} T के एकसमान चुंबकीय क्षेत्र में 6.28×10^5 m/s की चाल से वृत्ताकार पथ में गतिमान है। पथ की त्रिज्या है :

1

- (A) 1.00 m
 (B) 2.00 m
 (C) 3.00 m
 (D) 4.00 m

- (iii) A negative ion enters a region of uniform magnetic field $\vec{B}$ as shown in the figure. 1



It will :

- (A) go straight, undeviated
 - (B) describe a circular path
 - (C) describe a semicircular path
 - (D) describe a helical path
- (iv) (a) An electron is moving in a circular path in a uniform magnetic field of 3.14×10^{-4} T. Its period of revolution will be approximately : 1
- (A) $0.11 \mu\text{s}$
 - (B) $0.28 \mu\text{s}$
 - (C) $0.014 \mu\text{s}$
 - (D) $0.024 \mu\text{s}$

OR

- (b) An alpha particle (mass 6.4×10^{-27} kg) moves in a circular path with a speed of 6.28×10^5 m/s in a uniform magnetic field of 3.14×10^{-3} T. The radius of the path is : 1
- (A) 1.00 m
 - (B) 2.00 m
 - (C) 3.00 m
 - (D) 4.00 m

30. जब किसी धातु के पृष्ठ पर उपयुक्त आवृत्ति के विकिरण डाले जाते हैं, तो इससे इलेक्ट्रॉन उत्सर्जित होते हैं। यह परिघटना प्रकाश-विद्युत प्रभाव कहलाती है। आइंस्टाइन ने इस परिघटना की व्याख्या विकिरण की कण-प्रकृति ध्यान में रखते हुए और ऊर्जा संरक्षण नियम का उपयोग करके की। प्रकाश के तरंग सिद्धांत के आधार पर इस परिघटना की व्याख्या नहीं की जा सकती है।

(i) किसी दिए गए प्रकाश संवेदी पदार्थ के लिए संतृप्त धारा का मान निर्भर करता है : 1

- (A) पदार्थ के कार्य-फलन पर
- (B) आपतित विकिरण के तरंगदैर्घ्य पर
- (C) आपतित विकिरण की तीव्रता पर
- (D) संग्राही प्लेट विभव पर

(ii) जब किसी पृष्ठ पर 500 nm तरंगदैर्घ्य का प्रकाश डाला जाता है तो फोटो इलेक्ट्रॉनों का निरोधी विभव 0.40 V पाया जाता है। पृष्ठ का कार्य-फलन है, लगभग : 1

- (A) 1.20 eV
- (B) 1.48 eV
- (C) 2.08 eV
- (D) 6.48 eV

(iii) किसी धातु के लिए आपतित विकिरण की आवृत्ति (ν) एवं संगत निरोधी विभव (V_0) के बीच ग्राफ एक ऋजुरेखा होती है। मान लीजिए α एवं β क्रमशः इस रेखा की प्रवणता एवं V_0 -अक्ष पर अंतःक्षेप के मान हैं। तो आइंस्टाइन के प्रकाश-विद्युत प्रभाव संबंधी समीकरण के अनुसार $\left(\frac{\beta}{\alpha}\right)$ का मान है : 1

- (A) ν_0
- (B) $\frac{1}{\nu_0}$
- (C) $e\nu_0$
- (D) $\frac{\nu_0}{h}$

30. When radiation of suitable frequency is incident on a metal surface, electrons are emitted from the surface. This phenomenon is called photoelectric effect. Einstein explained this phenomenon considering the particle nature of radiation and using the law of conservation of energy. Wave theory of light could not explain this phenomenon.

(i) The saturation current for a given photosensitive material depends on : 1

- (A) work function of the material
- (B) wavelength of the incident radiation
- (C) intensity of the incident radiation
- (D) collector plate potential

(ii) The stopping potential of photoelectrons is found to be 0.40 V when light of wavelength 500 nm is incident on a surface. The work function of the surface is close to : 1

- (A) 1.20 eV
- (B) 1.48 eV
- (C) 2.08 eV
- (D) 6.48 eV

(iii) A graph between the frequency of incident radiation (ν) and the corresponding stopping potential (V_0) for a metal is a straight line. Let α and β be the value of the slope and the value of the intercept on the V_0 -axis respectively. Then, according to Einstein's photoelectric equation $\left(\frac{\beta}{\alpha}\right)$ is : 1

- (A) ν_0
- (B) $\frac{1}{\nu_0}$
- (C) $e\nu_0$
- (D) $\frac{\nu_0}{h}$

- (iv) (क) 3.8 eV ऊर्जा का कोई फ़ोटॉन 1.8 eV कार्य-फलन के किसी पृष्ठ पर आपतित है। पृष्ठ से उत्सर्जित इलेक्ट्रॉन की अधिकतम गतिज ऊर्जा होगी :

1

- (A) $3.2 \times 10^{-19} \text{ J}$
(B) $1.6 \times 10^{-19} \text{ J}$
(C) $1.25 \times 10^{-19} \text{ J}$
(D) $2.4 \times 10^{-18} \text{ J}$

अथवा

- (ख) किसी प्रकाश संवेदी पृष्ठ का कार्य-फलन 2.21 eV है। इस पृष्ठ के लिए देहली आवृत्ति का मान है :

1

- (A) $4.8 \times 10^{14} \text{ Hz}$
(B) $5.3 \times 10^{14} \text{ Hz}$
(C) $1.9 \times 10^{15} \text{ Hz}$
(D) $1.2 \times 10^{15} \text{ Hz}$

खण्ड ड

31. (क) कोई टंकी जिसमें 1.00 m ऊँचाई तक जल भरा है इसकी तली में एक छोटा दीप्त बल्ब रखा गया है। जल के पृष्ठ का वह क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिससे बल्ब का प्रकाश उत्सर्जित होगा। जल का अपवर्तनांक (4/3) है।

3

- (ख) 10 cm फोकस दूरी के उत्तल लेंस के सामने 15 cm की दूरी पर कोई वस्तु रखी है। लेंस के दूसरी ओर इससे 10 cm की दूरी पर समाक्षीय रूप से एक उत्तल दर्पण रखा गया है। यदि इस संयोजन द्वारा निर्मित अंतिम प्रतिबिंब स्वयं वस्तु पर संपाती हो, तो उत्तल दर्पण की फोकस दूरी ज्ञात कीजिए। किरण आरेख द्वारा प्रतिबिंब निर्माण दर्शाइए।

2

अथवा

- (क) प्रकाश के व्यतिकरण एवं विवर्तन में भेद कीजिए।

दो सुसंबद्ध प्रकाश तरंगें, जिनमें प्रत्येक की तीव्रता I_0 है, पर्दे पर व्यतिकरण पैटर्न निर्मित करती हैं। उन बिंदुओं पर प्रकाश की तीव्रता ज्ञात कीजिए जहाँ तरंगों के अध्यारोपण के समय इनके बीच पथांतर (i) $\frac{\lambda}{3}$ है, (ii) $\frac{\lambda}{4}$ है।

3

- (iv) (a) A photon of 3.8 eV energy is incident on a surface of work function 1.8 eV. The maximum kinetic energy of the electron emitted from the surface will be :

1

- (A) $3.2 \times 10^{-19} \text{ J}$
(B) $1.6 \times 10^{-19} \text{ J}$
(C) $1.25 \times 10^{-19} \text{ J}$
(D) $2.4 \times 10^{-18} \text{ J}$

OR

- (b) The work function of a photosensitive surface is 2.21 eV. The value of threshold frequency for the surface is :

1

- (A) $4.8 \times 10^{14} \text{ Hz}$
(B) $5.3 \times 10^{14} \text{ Hz}$
(C) $1.9 \times 10^{15} \text{ Hz}$
(D) $1.2 \times 10^{15} \text{ Hz}$

SECTION E

31. (a) A small bulb is placed at the bottom of a tank containing water to a depth of 1.00 m. Find the area of the surface of water through which light from the bulb can emerge from. The refractive index of water is (4/3).

3

- (b) An object is placed at a distance of 15 cm from a convex lens of focal length 10 cm. On the other side of the lens, a convex mirror is placed coaxially at a distance of 10 cm from the lens. If the image formed by this combination coincides with the object itself, draw the ray diagram and find the focal length of the convex mirror.

2

OR

- (a) Differentiate between interference and diffraction of light.

Two coherent light waves, each of intensity I_0 produce interference pattern on a screen. Find the intensity at a point at which the path difference between them is (i) $\frac{\lambda}{3}$, and (ii) $\frac{\lambda}{4}$.

3

- (ख) यंग के द्विझिरी प्रयोग में, झिरियों से D दूरी पर रखे पर्दे पर फ्रिंज प्राप्त की जाती हैं। यह प्रेक्षित किया गया है कि यदि पर्दे को 5 cm झिरियों की ओर लाया जाता है, तो फ्रिंज चौड़ाई में 0.03 mm परिवर्तन हो जाता है। यदि झिरियों के बीच दूरी 1 mm हो, तो प्रयुक्त प्रकाश के तरंगदैर्घ्य का परिकलन कीजिए।

2

32. (क) एक बेलनाकार चालक की लंबाई l , अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल A एवं प्रतिरोध R है। इसके सिरों के बीच विभवांतर V लगा है। धीरे-धीरे खींच कर इस चालक की लंबाई तीन गुनी कर दी जाती है। तर्क सहित अपने उत्तर की व्याख्या कीजिए कि :

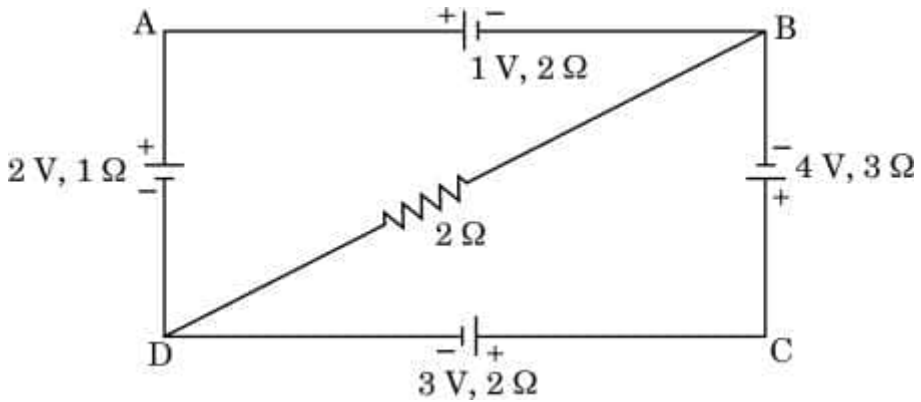
(i) चालक में इलेक्ट्रॉनों की अपवाह चाल पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

(ii) चालक के प्रतिरोध पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

2

- (ख) दिए गए परिपथ आरेख में, बिंदुओं B एवं D के बीच विभवांतर ज्ञात कीजिए।

3



अथवा

- (क) विद्युत-वाहक बल (emf) E एवं आंतरिक प्रतिरोध r के एक सेल को परिवर्ती प्रतिरोध R के एक प्रतिरोधक से जोड़ा गया है। ग्राफ आलेखित कीजिए :

(i) प्रतिरोध R के साथ परिपथ में धारा (I) में परिवर्तन दर्शाने के लिए, और

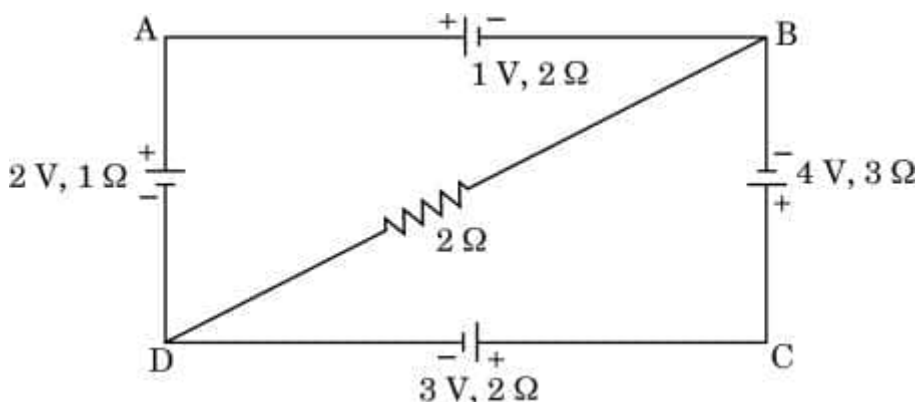
(ii) R के साथ सेल के सिरों के बीच विभवांतर में परिवर्तन दर्शाने के लिए।

2

- (b) In a Young's double-slit experiment, fringes are obtained on a screen placed at a distance D from the slits. It is observed that if the screen is moved 5 cm towards the slits, the fringe width changes by 0.03 mm. If the distance between the slits is 1 mm, calculate the wavelength of the light used. 2

32. (a) A potential difference V is applied across the ends of a cylindrical conductor of length l , area of cross-section A and resistance R . It is gradually stretched till its length is tripled. How will (i) the drift speed of electrons in the conductor, and (ii) the resistance of the conductor be affected ? Justify your answers. 2

- (b) In the given circuit diagram, find the potential difference between points B and D. 3



OR

- (a) A cell of emf E and internal resistance r is connected across a resistor of variable resistance R . Draw a plot showing the variation of (i) the current (I) in the circuit with R , and (ii) the terminal potential difference of the cell with R . 2

- (ख) किसी तापन कुंडली का प्रतिरोध 25°C पर $100\ \Omega$ और 1025°C पर $120\ \Omega$ है ।
 (i) 425°C पर इसके प्रतिरोध का मान ज्ञात कीजिए । (ii) तापवृद्धि के फलन के रूप में इसके प्रतिरोध में होने वाले परिवर्तन को दर्शाने के लिए ग्राफ आलेखित कीजिए । 3

33. (क) किसी प्रत्यावर्ती धारा (ac) स्रोत से जुड़े श्रेणीक्रम LCR परिपथ की प्रतिबाधा के लिए फेज़र आरेख का उपयोग करके व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए । इस परिपथ में अनुनाद से क्या तात्पर्य है ? इस परिपथ की अनुनादी आवृत्ति के लिए व्यंजक प्राप्त कीजिए । 3

- (ख) निम्न वोल्टता और उच्च धारा पर लंबी दूरियों तक प्रत्यावर्ती धारा (ac) के संचारण की दो हानियाँ लिखिए । 2

अथवा

- (क) किसी प्रत्यावर्ती धारा (ac) जनित्र की कुंडली में 500 फेरे हैं और इसका आमाप $25\text{ cm} \times 100\text{ cm}$ है । इसको $B = 0.4\text{ T}$ के एकसमान चुंबकीय क्षेत्र में 60 रेडियन प्रति सेकंड के कोणीय वेग से चुम्बक के दो नियत ध्रुवों के बीच घुमाया जाता है । यदि कुंडली सहित परिपथ का प्रतिरोध $250\ \Omega$ हो, तो परिकलन कीजिए :

- (I) जनित्र से ली गई अधिकतम धारा
 (II) कुंडली में जब धारा शून्य होती है उस क्षण कुंडली से गुजरने वाला फ्लक्स 3
- (ख) व्यावसायिक जनित्रों के दो उदाहरण दीजिए । इनमें आर्मेचर को घूर्णन में किस प्रकार रखा जाता है ? संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 2

- (b) The resistance of a heating coil is $100\ \Omega$ at 25°C and $120\ \Omega$ at 1025°C . (i) Find its resistance at 425°C . (ii) Draw a plot showing variation of its resistance as a function of increase in temperature. 3

33. (a) Using a phasor diagram, derive an expression for the impedance of a series LCR circuit connected to an ac source. What is meant by resonance in this circuit ? Obtain expression for the resonant frequency of this circuit. 3

- (b) Write two disadvantages of transmitting ac over long distances at low voltage and high current. 2

OR

- (a) An ac generator consists of a coil of 500 turns and size $25\text{ cm} \times 100\text{ cm}$. It is rotated at an angular speed of 60 rad/s in a uniform magnetic field $B = 0.4\text{ T}$ between two fixed pole pieces. If the resistance of the circuit, including that of the coil, is $250\ \Omega$, calculate :
- (I) the maximum current drawn from the generator
- (II) the flux through the coil when the current is zero 3
- (b) Give two examples of commercial generators. How is rotation of armature achieved in them ? Explain briefly. 2

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior Secondary Supplementary School Examination, 2026 (XIIth)
SUBJECT NAME PHYSICS (042) (Q.P. CODE /Set No55/7/3)

General Instructions: -

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, evaluation done and several other aspects. Its leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in Newspaper/Website, etc. may invite action under various rules of the Board and IPC.”
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In Class-XII, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark (✓) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X' be marked. Evaluators will not put right (✓) while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. This is most common mistake which evaluators are committing.
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note “Extra Question” .
10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

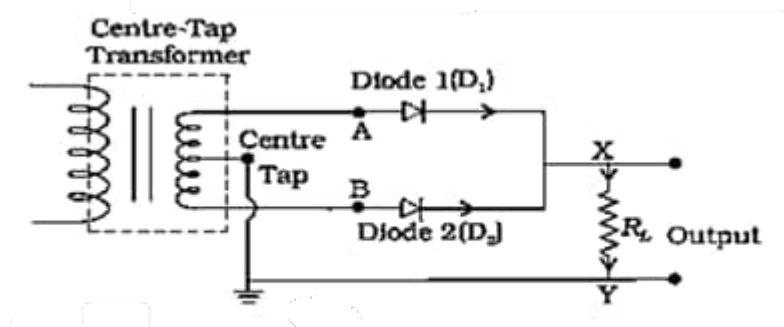
11	A full scale of marks 70 (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past :- • Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. • Giving more marks for an answer than assigned to it. • Wrong totaling of marks awarded on an answer. • Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. • Wrong question wise totaling on the title page. • Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. • Wrong grand total. • Marks in words and figures not tallying/not same. • Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. • Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15	Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “Guidelines for Spot Evaluation” before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

Code: 55/ 7 /3

Page 3 of 15

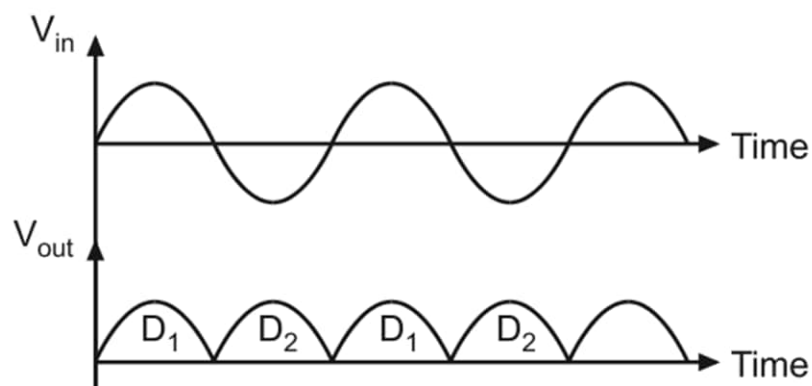
18.	Finding the magnitude of the net magnetic field at the common centre of the coils (2) $\vec{B}_1 = \frac{\mu_0 I}{2r} \hat{k}$ $= \frac{4\pi \times 10^{-7} \times 1}{2 \times 0.1} \hat{k}$ $\vec{B}_1 = 2\pi \times 10^{-6} \hat{k} \text{ T}$ $\vec{B}_2 = \frac{4\pi \times 10^{-7} \times \sqrt{3}}{2 \times 0.1} \hat{i}$ $\vec{B}_2 = 2\sqrt{3} \pi \times 10^{-6} \hat{i} \text{ T}$ $B_{\text{net}} = \sqrt{B_1^2 + B_2^2}$ $= 4\pi \times 10^{-6} \text{ T}$ $= 1.26 \times 10^{-5} \text{ T}$	1/2 1/2 1/2 1/2	2
19.	(i) Finding the energy of photon emitted for transition of electron from second energy level to first energy level (1) (ii) Finding the energy of photon emitted for transition of electron from highest energy level to first energy level (1/2) (iii) Finding the ratio of the above two energies. (1/2) (i) Use $E_n = -\frac{13.6}{n^2}$ $\Delta E_{21} = E_2 - E_1$ $= -13.6 \left(\frac{1}{4} - 1 \right)$ $\Delta E_{21} = 13.6 \times \frac{3}{4} \text{ eV} \quad \dots(1)$ $\Delta E_{\infty 1} = -13.6 \left(\frac{1}{\infty} - 1 \right)$ $\Delta E_{\infty 1} = 13.6 \text{ eV} \quad \dots(2)$ From (1) and (2), $\frac{\Delta E_{21}}{\Delta E_{\infty 1}} = \frac{3}{4}$	1/2 1/2 1/2 1/2	2
20.	(a) Explaining with reason (i) The frequency of the reflected and refracted light is same as that of the incident light. (1) (ii) Reduction in the energy carried by the light wave due to decrease in speed in denser medium. (1) (i) Yes	1/2	

	The atoms of the interface can be regarded as oscillators. The light incident on the interface forces the atomic oscillators to oscillate with the frequency of the incident light. Thus, the frequency of the reflected and refracted light equals the frequency of incident light. (ii) No Energy carried by the light wave depends on the amplitude of the wave, not on the speed of wave propagation. OR (b) (i) Effect on the image of an object placed in front of the mirror (1) (ii) Writing refractive index of the liquid (½) Giving reason (½) (i) The image will be formed that of the whole object. However, the intensity of the image will be low (or half) (ii) The refractive index of the liquid = 1.5 Since lens disappears inside the liquid which is possible only when both have same refractive indices.	½ ½ ½ 1 ½ ½	2
21.	Calculating the average number of collisions (2) $\rho = \frac{m}{ne^2\tau}$ Therefore, $\tau = \frac{m}{ne^2\rho}$ where, τ = Average time/collision Average number of collisions per second = $\frac{1}{\tau}$ $\frac{1}{\tau} = \frac{ne^2\rho}{m}$ Average number of collisions, $\frac{1}{\tau} = \frac{8.5 \times 10^{28} \times (1.6 \times 10^{-19})^2 \times 1.72 \times 10^{-8}}{9.1 \times 10^{-31}}$ $= 4.11 \times 10^{13}$ per second	½ ½ ½ ½	2
SECTION – C			
22.	• Drawing a labelled diagram of a full-wave rectifier (1) • Stating its working principle (1) • Showing input and output waveforms (1)		



Working principle : A p-n junction diode allows current to pass only when it is forward biased.

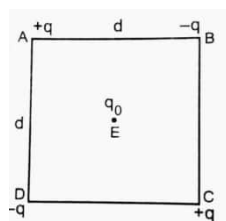
Alternatively: A p-n junction diode offers low resistance when forward biased.



23.

Calculating the amount of

- (i) work done to obtain the required arrangement (2)
- (ii) extra work done in bringing q_0 to the centre of the square (1)



(i) Total work needed to bring charges on their respective points is sum of work done to bring individual charges and place them on respective points of square

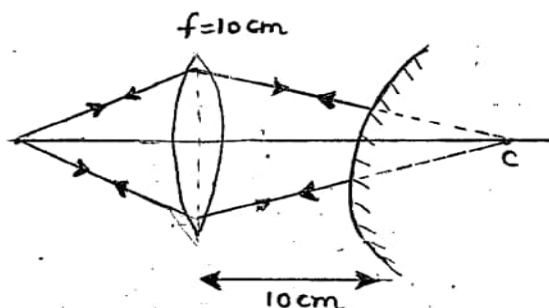
Total work done = $W_A + W_B + W_C + W_D$

Since $W = q \times \text{potential at that point}$

Total work done = $qV_A + (-q)V_B + qV_C + (-q)V_D$

	$\vec{E}_O = \vec{E}_{AB} + \vec{E}_{CD}$ $= \frac{\lambda_{AB}}{2\pi\epsilon_0 r_1} (-\hat{i}) + \frac{\lambda_{CD}}{2\pi\epsilon_0 r_2} (-\hat{i})$ $= 2 \times 9 \times 10^9 \times 12 \times 10^{-6} (1 + 1) (-\hat{i})$ $= -4.32 \times 10^5 \hat{i} \text{ N/C}$ $\vec{E}_{P_2} = \vec{E}_{AB} + \vec{E}_{CD}$ $= \frac{\lambda_{AB}}{2\pi\epsilon_0 r_1} (-\hat{i}) + \frac{\lambda_{CD}}{2\pi\epsilon_0 r_2} (\hat{i})$ $= 2 \times 9 \times 10^9 \times 12 \times 10^{-6} \left(-\frac{1}{3} + 1\right) \hat{i}$ $= 1.44 \times 10^5 \hat{i} \text{ N/C}$ OR (i) Calculating the electrostatic potential energy of the system (1) (ii) Calculating the potential energy of the system (2) $(i) U = \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \cdot \frac{q_1 q_2}{r}$ $U = \frac{9 \times 10^9 (8 \times 10^{-6})(-4 \times 10^{-6})}{36 \times 10^{-2}}$ $U = -0.8 \text{ J}$ $(ii) U = V_1 q_1 + V_2 q_2 + \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \cdot \frac{q_1 q_2}{r}$ $= \frac{9 \times 10^4}{18 \times 10^{-2}} \times 8 \times 10^{-6} + \frac{9 \times 10^4}{18 \times 10^{-2}} \times (-4 \times 10^{-6}) + (-0.8)$ $= 4 - 2 - 0.8$ $U = 1.2 \text{ J}$	1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1 1/2 1/2	3
26.	Finding (i) The torque acting on the loop (1) (ii) The magnitude of the net force on the loop (1 1/2) The direction of the net force on the loop (1/2) (i) Since magnetic field produced by wire at the side of loop and the area vector of the loop both are into the plane of the loop. ($\vec{A} \parallel \vec{B}$) $\vec{\tau} = I \vec{A} \times \vec{B} = 0$ (ii) Magnetic force on side MN and NO are equal in magnitude but opposite in direction, so they cancel each other. Now force on MP and NO are attractive and repulsive respectively. $F_{net} = F_{MP} - F_{NO}$ $F_{net} = \frac{\mu_0}{2\pi} I_1 I_2 l \left(\frac{1}{d_1} - \frac{1}{d_2} \right)$ $I_1 = 2A, I_2 = 1A, l = 10 \times 10^{-2} m, d_1 = 1 \times 10^{-2} m, d_2 = 6 \times 10^{-2} m$ $F_{net} = 2 \times 10^{-7} \times 2 \times 1 \times 10 \times 10^{-2} \left(\frac{10^2}{1} - \frac{10^2}{6} \right)$ $= \frac{20}{6} \times 10^{-6} = 3.34 \times 10^{-6} N$ Loop will be attracted towards wire i.e F_{net} is towards left.	1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2	3

(b)



$$\frac{1}{v} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f}$$

$$\frac{1}{v} = \frac{1}{10} - \frac{1}{15}$$

$$= \frac{1}{30}$$

$$v = 30 \text{ cm}$$

Radius of curvature of the mirror,

$$R = 30 - 10 = 20 \text{ cm}$$

$$f = \frac{R}{2}$$

$$f = 10 \text{ cm}$$

OR

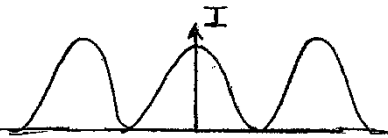
(a) Difference between interference and diffraction (1)

Finding the intensity of light for path difference:

(i) $\frac{\lambda}{3}$ and (ii) $\frac{\lambda}{4}$ (1+1)

(b) Calculating the wavelength of light. (2)

(a)

Interference	Diffraction
1. The width of bright and dark bands is equal.	1. The width of the central maxima is twice the width of secondary maxima or minima.
2. Intensity of all bright fringes is the same.	2. Intensity of bright fringes decreases with distance from the central maxima.
3. There is good contrast between bright and dark fringes.	3. There is poor contrast between bright and dark fringes.
4. Intensity distribution curve.	4. Intensity distribution curve
 Path difference	 Path difference

$$(i) I = 4I_0 \cos^2 \frac{\phi}{2}$$

$$\Delta x = \frac{\lambda}{3}$$

$$\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{3} = \frac{2\pi}{3}$$

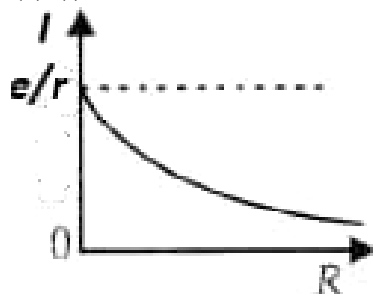
$$I_1 = 4I_0 \cos^2 \frac{\pi}{3}$$

$$I_1 = I_0$$

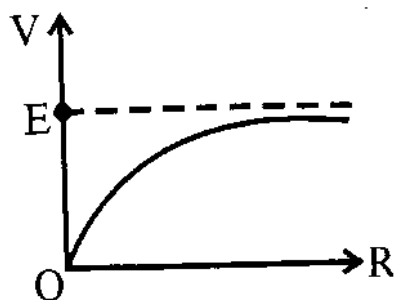
(Any one correct difference)

- (a) Drawing the graph showing variation of
- (i) The current (I) in the circuit with (R) (1)
- (ii) The terminal potential difference of the cell with R (1)
- (b) (i) Finding the resistance at 425°C (2)
- (ii) Drawing the graph showing variation of resistance of the heating coil as a function of increase in temperature (1)

(a) (i)



(ii)



(b)

$$\alpha = \frac{R_2 - R_1}{R_1(T_2 - T_1)}$$

$$= \frac{120 - 100}{100(1025 - 25)}$$

$$= \frac{20}{100 \times 1000}$$

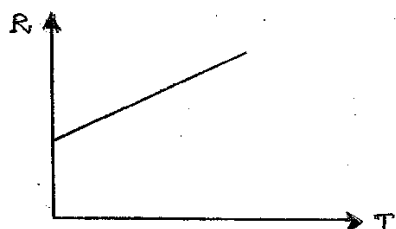
$$\alpha = 2 \times 10^{-4} \text{ } ^\circ\text{C}^{-1}$$

$$R_2 = R_1[1 + \alpha(T_2 - T_1)]$$

$$= 100[1 + 2 \times 10^{-4}(425 - 25)]$$

$$= 100 \times 1.08$$

$$R_2 = 108 \text{ } \Omega$$



1

1

 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

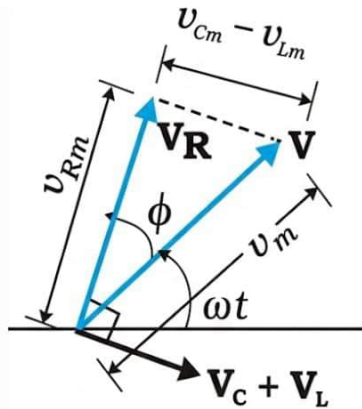
1

5

33.

- (a) Derivation of the expression for impedance in a series LCR circuit (2)
 Definition of resonance (½)
 Obtaining the expression for resonant frequency (½)
 (b) Writing two disadvantages (1+1)

(a)

For: $V_C > V_L$

$$V_{Rm} = I_m R, V_{Cm} = I_m X_C, V_{Lm} = I_m X_L$$

Phasor relation:

$$\vec{V}_L + \vec{V}_R + \vec{V}_C = \vec{V}$$

Using Pythagoras' theorem,

$$V_m^2 = V_{Rm}^2 + (V_{Cm} - V_{Lm})^2$$

$$I_m^2 Z^2 = (I_m R)^2 + (I_m X_C - I_m X_L)^2$$

$$I_m^2 Z^2 = I_m^2 [R^2 + (X_C - X_L)^2]$$

$$Z = \sqrt{R^2 + (X_C - X_L)^2}$$

Resonance is achieved when:

The voltage across the capacitor becomes out of phase with the voltage across the inductor. / The current amplitude becomes maximum. / The impedance becomes minimum.

(Any one)

Expression for Resonant Frequency

For $Z = \text{minimum}$ $X_C = X_L$

$$\frac{1}{\omega_0 C} = \omega_0 L$$

$$\omega_0 = \frac{1}{\sqrt{LC}} \quad \text{or} \quad \nu_0 = \frac{1}{2\pi\sqrt{LC}}$$

(b) (i) Heat loss ($I^2 R t$) will be higher.(ii) Voltage drop (IR) along the transmission line will be more.

(iii) Installation cost will be higher.

(Any two)

½

½

½

½

½

½

1+1

	OR (a) Calculating (i) Maximum current drawn (1½) (ii) Flux through the coil when current is zero (1½) (b) Writing two examples (½ + ½) Explaining the process of rotation of armature in brief (½ + ½) (a) (i) $N = 500, A = 25 \times 100 \times 10^{-4} \text{ m}^2, \omega = 60 \text{ rad s}^{-1} B = 0.4 \text{ T}$ $R = 250 \Omega$ $I_0 = \frac{NBA\omega}{R}$ $I_0 = \frac{500 \times 0.4 \times 25 \times 100 \times 10^{-4} \times 60}{250}$ $I_0 = 12 \text{ A}$ (ii) When current through the coil = 0, flux is maximum. $\phi_{\text{max}} = NBA$ $\phi_{\text{max}} = 500 \times 0.4 \times 2500 \times 10^{-4}$ $\phi_{\text{max}} = 50 \text{ Wb}$ (b) Hydroelectric Generator The mechanical energy required for rotation of the armature is provided by water falling from a height (dams). Thermal Generator Water is heated to produce steam using coal or other sources. The steam at high pressure produce the rotation. Nuclear Power Generator - Nuclear fuel is used to rotate the armature. (Any two)	½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½	5
--	---	--	----------

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior Secondary Supplementary School Examination, 2026 (XIIth)
SUBJECT NAME PHYSICS (042) (Q.P. CODE /Set No55/7/3)

General Instructions: -

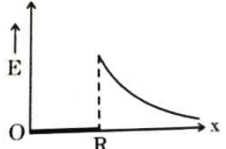
1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, evaluation done and several other aspects. Its leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in Newspaper/Website, etc. may invite action under various rules of the Board and IPC.”
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In Class-XII, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark (✓) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X' be marked. Evaluators will not put right (✓) while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. This is most common mistake which evaluators are committing.
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note “Extra Question” .
10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

11	A full scale of marks 70 (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past :- • Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. • Giving more marks for an answer than assigned to it. • Wrong totaling of marks awarded on an answer. • Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. • Wrong question wise totaling on the title page. • Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. • Wrong grand total. • Marks in words and figures not tallying/not same. • Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. • Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15	Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “Guidelines for Spot Evaluation” before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

अंक योजना: भौतिकी (042)

Session: 2025-26

कोड: 55/ 7 /3

प्र. सं.	मूल्यांकन बिन्दु / अपेक्षित उत्तर	अंक	कुल अंक
	खण्ड (क)	1	1
1.	(B) $4.77 A^0$	1	1
2.	(C) 1.0 A	1	1
3.	(B) $\pi/4$	1	1
4.	(A) अग्रदिशिक बायस में विसरण, पश्चदिशिक बायस में अपवाह	1	1
5.	(C) अपरिवर्तित	1	1
6.	(B) $v_G > v_X > v_U$	1	1
7.	(D) अवरक्त किरण	1	1
8.	(C) $-\frac{\mu_0 I}{24\pi} \hat{k}$	1	1
9.	(A) $-0.12 V$	1	1
10.	(A) z- अक्ष के अनुदिश	1	1
11.	(C) $\frac{V^2}{R}$	1	1
12.	(C) 	1	1
13.	(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।	1	1
14.	(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।	1	1
15.	(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	1	1
16.	(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1	1
	खण्ड (ख)		
17.	• इलेक्ट्रॉन के कोणीय संवेग एवं चुंबकीय आघूर्ण के मानों के अनुपात को अचर सिद्ध करना। (2) $\frac{L}{\mu} = \frac{m_e v r}{\left(\frac{e v r}{2}\right)}$ $= \frac{2m_e}{e}$	1	

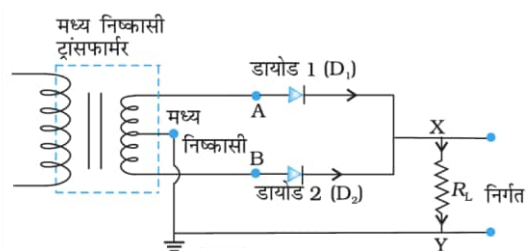
	$= \frac{2 \times 9.1 \times 10^{-31}}{1.6 \times 10^{-19}}$ $\frac{L}{\mu} = 1.1 \times 10^{-11} \text{ kg/C}$	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
18.	कुंडलियों के अक्षीय केंद्र पर नेट चुंबकीय क्षेत्र का परिमाण ज्ञात करना। (2) $\vec{B}_1 = \frac{\mu_0 I}{2r} \hat{k}$ $= \frac{4\pi \times 10^{-7} \times 1}{2 \times 0.1} \hat{k}$ $\vec{B}_1 = 2\pi \times 10^{-6} \hat{k} \text{ T}$ $\vec{B}_2 = \frac{4\pi \times 10^{-7} \times \sqrt{3}}{2 \times 0.1} \hat{i}$ $\vec{B}_2 = 2\sqrt{3} \pi \times 10^{-6} \hat{i} \text{ T}$ $B_{\text{net}} = \sqrt{B_1^2 + B_2^2}$ $= 4\pi \times 10^{-6} \text{ T}$ $= 1.26 \times 10^{-5} \text{ T}$	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
19.	उत्सर्जित फोटॉनों की ऊर्जाओं का गणना करना, जब इलेक्ट्रॉन का संचरण (i) द्वितीय अनुमत स्तर से प्रथम अनुमत स्तर पर हो। (1) (ii) उच्चतम अनुमत स्तर से प्रथम अनुमत स्तर पर हो। ($\frac{1}{2}$) उत्सर्जित ऊर्जाओं का अनुपात का गणना करना। ($\frac{1}{2}$) (i) Use $E_n = -\frac{13.6}{n^2}$ $\Delta E_{21} = E_2 - E_1$ $= -13.6 \left(\frac{1}{4} - 1 \right)$ $\Delta E_{21} = 13.6 \times \frac{3}{4} \text{ eV} \quad \dots(1)$ $\Delta E_{\infty 1} = -13.6 \left(\frac{1}{\infty} - 1 \right)$ $\Delta E_{\infty 1} = 13.6 \text{ eV} \quad \dots(2)$ From (1) and (2), $\frac{\Delta E_{21}}{\Delta E_{\infty 1}} = \frac{3}{4}$	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2

20.	(a) तर्कपूर्ण व्याख्या करना (i) परावर्तित एवं अपवर्तित प्रकाश की आवृत्तियाँ आपतित प्रकाश की आवृत्ति के समान होती हैं (1) (ii) प्रकाश तरंग द्वारा वाहित ऊर्जा के घट जाने का द्योतक, सघन माध्यम में प्रकाश की चाल कम होने पर. (1) (i) हाँ दो माध्यमों को पृथक करने वाली सतह पर परमाणुओं को दोलित्र के रूप में देखा जा सकता है। जो आपतित प्रकाश सतह पर आपतित प्रकाश की आवृत्ति को लेकर प्रणोदित दोलन कर सकते हैं। अतः विकिरित प्रकाश की आवृत्ति आपतित प्रकाश की आवृत्ति के बराबर होती है। (ii) नहीं तरंगों द्वारा ले जाने वाली ऊर्जा तरंग के आयाम पर निर्भर करती है, यह तरंग संचरण की चाल पर निर्भर नहीं करती। अथवा (i) दर्पण के सामने रखे किसी बिंब के प्रतिबिंब पर प्रभाव (1) (ii) द्रव के अपवर्तनांक का मान लिखना (½) उत्तर के समर्थन में तर्क देना (½) (i) दर्पण द्वारा बिंब का पूर्ण प्रतिबिंब बनेगा। तथापि, प्रतिबिंब की तीव्रता कम हो जाएगी। (ii) द्रव का अपवर्तनांक = 1.5 द्रव में लेंस के अदृश्य होने के लिए द्रव और लेंस के पदार्थ का अपवर्तनांक बराबर होना चाहिए	½ ½ ½ ½ 1 ½ ½	2
21.	1 सेकंड में इलेक्ट्रॉन द्वारा किये गये संघट्टों की माध्य संख्या का परिकलन करना। (2) $p = \frac{m}{ne^2\tau}$ इसलिए, $\tau = \frac{m}{ne^2\rho}$ यहाँ, $\tau = \text{संघट्टों का औसत समय}$ $\frac{1}{\tau} = \text{औसत संघट्टों की संख्या प्रति सेकंड}$ $\frac{1}{\tau} = \frac{ne^2\rho}{m}$ औसत संघट्टों की संख्या प्रति सेकंड $\frac{1}{\tau} = \frac{8.5 \times 10^{28} \times (1.6 \times 10^{-19})^2 \times 1.72 \times 10^{-8}}{9.1 \times 10^{-31}}$ $= 4.11 \times 10^{13} \text{ per second}$	½ ½ ½ ½	2

खण्ड (ग)

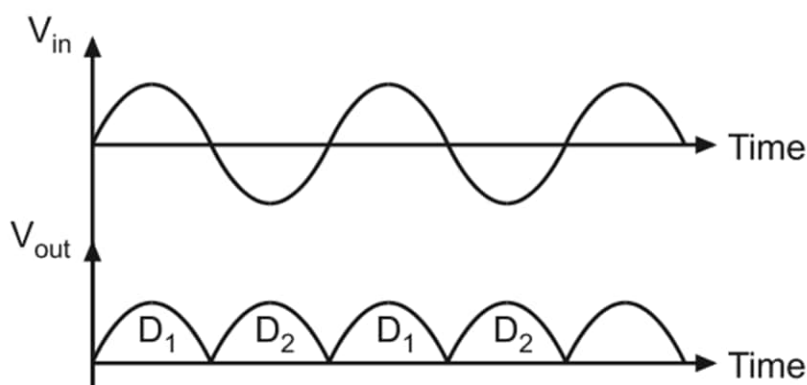
22.

- पूर्ण तरंग दिष्टकारी परिपथ का एक नामांकित आरेख बनाना। (1)
- इसका कार्यकारी सिद्धांत बताना। (1)
- निवेशी एवं निर्गत तरंगरूप दर्शाना। (1)



कार्यकारी सिद्धांत :

एक संधि डायोड केवल तभी विद्युत धारा प्रवाहित होने देता है जब वह अग्रदिशित बायसित होता है।



1

1

$\frac{1}{2}$

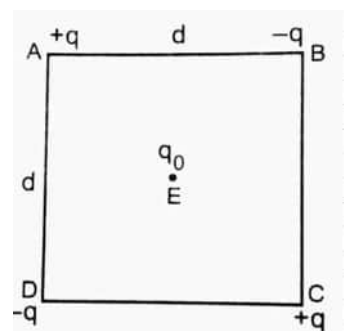
$\frac{1}{2}$

3

23.

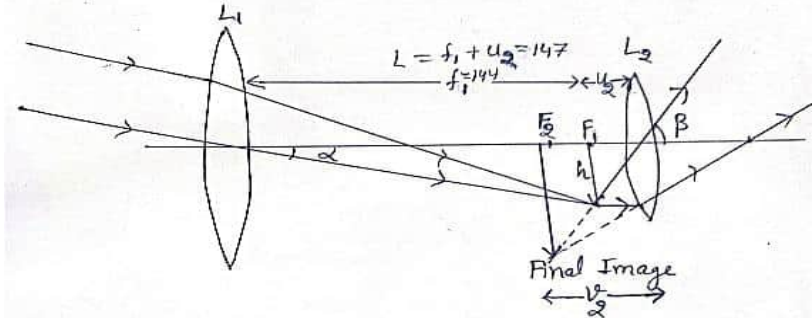
परिकलन करना

- (i) व्यवस्था निर्मित करने में किये गये कार्य का परिमाण। (1½)
- (ii) आवेश q_0 को केन्द्र पर लाने में किये गये अतिरिक्त कार्य का परिमाण। (1½)



(i) आवेशों को वर्ग के अपने-अपने निर्धारित बिंदुओं तक लाने के लिए आवश्यक कुल कार्य, प्रत्येक आवेश को अलग-अलग उसके निर्धारित बिंदु तक लाने में किए गए कार्यों के योग के बराबर होता है।

	कुल कार्य = $W_A + W_B + W_C + W_D$ चूँकि, $W = q \times \text{उस बिंदु पर विभव}$ $\begin{aligned} \text{कुल कार्य} &= qV_A + (-q)V_B + qV_C + (-q)V_D \\ &= 0 + \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \left(\frac{-q^2}{l} \right) + \left[\frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{-q^2}{l} \left(1 - \frac{1}{\sqrt{2}} \right) \right] + \left[\frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{-q^2}{l} \left(2 - \frac{1}{\sqrt{2}} \right) \right] \\ &= \left[\frac{1}{4\pi\epsilon_0} \frac{-q^2}{l} (4 - \sqrt{2}) \right] \end{aligned}$ (ii) जब चारों आवेश A, B, C तथा D बिंदुओं पर स्थित हों, तब आवेश q_0 को बिंदु E तक लाने के लिए आवश्यक अतिरिक्त कार्य, q_0 तथा A, B, C एवं D पर स्थित आवेशों के कारण बिंदु E पर उत्पन्न वैद्युत स्थैतिक विभव के गुणनफल के बराबर होता है। बिंदु E पर वैद्युत स्थैतिक विभव स्पष्टतः शून्य है, क्योंकि A तथा C के कारण उत्पन्न विभव, B तथा D के कारण उत्पन्न विभव द्वारा निरस्त (रद्द) हो जाता है। अतः किसी भी आवेश को बिंदु E तक लाने के लिए कोई कार्य आवश्यक नहीं है।	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 1	3
24.	• प्रतिबिंब निर्माण दर्शाने के लिये किरण आरेखन (1) • संयोजन की फोकस दूरी का व्यंजक व्युत्पन्न करना (2) पहले लेंस A द्वारा बने प्रतिबिंब के लिये $\frac{1}{v_1} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f_1} \quad \text{----- (1)}$ दूसरे लेंस B द्वारा बने प्रतिबिंब के लिये, $\frac{1}{v} - \frac{1}{v_1} = \frac{1}{f_2} \quad \text{----- (2)}$ समीकरण (1) और (2) को जोड़ने पर, $\frac{1}{v} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f_1} + \frac{1}{f_2} \quad \text{.....(3)}$ इन दो लेंसों के तंत्र को f फोकस दूरी के किसी एकल लेंस के तुल्य मानने पर, $\frac{1}{v} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f} \quad \text{.....(4)}$ समीकरण (3) एवं (4) से, $\frac{1}{f} = \frac{1}{f_1} + \frac{1}{f_2}$	1 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	3

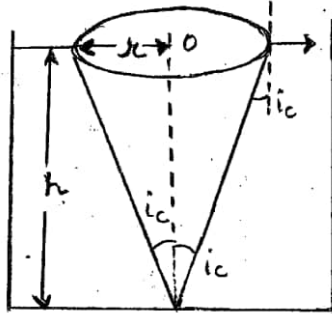
	(ii) भुजाओं MN तथा NO पर लगने वाले चुंबकीय बल परिमाण में समान, किंतु विपरीत दिशा में होते हैं, इसलिए वे एक-दूसरे को निरस्त (रद्द) कर देते हैं। अब MP तथा NO पर लगने वाले बल क्रमशः आकर्षण तथा प्रतिकर्षण के होंगे। $F_{net} = F_{MP} - F_{NO}$ $F_{net} = \frac{\mu_0}{2\pi} I_1 I_2 l \left(\frac{1}{d_1} - \frac{1}{d_2} \right)$ $I_1 = 2A, I_2 = 1A, l = 10 \times 10^{-2}m, d_1 = 1 \times 10^{-2}m, d_2 = 6 \times 10^{-2}m$ $F_{net} = 2 \times 10^{-7} \times 2 \times 1 \times 10 \times 10^{-2} \left(\frac{10^2}{1} - \frac{10^2}{6} \right)$ $= \frac{20}{6} \times 10^{-6} = 3.34 \times 10^{-6}N$ लूप तार की ओर आकर्षित होगा, अर्थात् परिणामी बल (F_{net}) बाईं ओर होगा।	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 3	
27.	(i) संयोजन द्वारा प्रतिबिंब निर्माण का किरण आरेखन (1) (ii) अंतिम प्रतिबिंब की L_2 से दूरी की गणना (1) (iii) परिणामी आवर्धन का परिकलन करना (1) (i)  (ii) $L = 147 \text{ cm} > f_1 + f_2 = (150 \text{ cm})$ प्रथम प्रतिबिंब लेंस L_2 के फोकस एवं प्रकाशिक केन्द्र के बीच बनेगा। $u_2 < f_2$ $L = f_1 + u_2 $ $ u_2 = L - f_1 = 147 - 144 = 3 \text{ cm}$ L_2 के लिए $u_2 = -3 \text{ cm}, f_2 = 6 \text{ cm}$ $v_2 = \frac{u_2 f_2}{u_2 + f_2}$ $v_2 = \frac{(-3) \times 6}{-3 + 6}$ $= -6 \text{ cm}$ अंतिम प्रतिबिंब की लेंस L_2 से दूरी = $v_2 = 6 \text{ cm}$. $m = \frac{\tan \beta}{\tan \alpha}$ $m = \frac{h/u_2}{h/f_1}$	1 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	

[illegible]

खण्ड (ड)

31.

- (a) जल के पृष्ठ का क्षेत्रफल ज्ञात करना। (3)
 (b) किरण आरेख बनाना। (1)
 उत्तल दर्पण की फोकस दूरी ज्ञात करना। (1)



$$\sin i_c = \frac{1}{n}$$

$$\tan i_c = \frac{r}{h}$$

$$r = h \tan i_c \text{ \& } \tan i_c = \frac{1}{\sqrt{n^2-1}}$$

$$A = \pi r^2 = \pi h^2 \tan^2 i_c$$

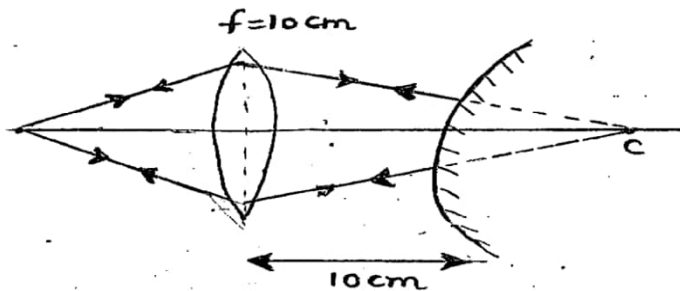
$$A = \frac{\pi h^2}{n^2-1}$$

$$A = \frac{\pi \times 1}{\frac{16}{9}-1}$$

$$= \frac{9\pi}{7} \text{ m}^2 = \frac{9 \times 3.14}{7} = 4.04 \text{ m}^2$$

अथवा

(b)



$$\frac{1}{v} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f}$$

$$\frac{1}{v} = \frac{1}{10} - \frac{1}{15}$$

$$= \frac{1}{30}$$

$$v = 30 \text{ cm}$$

दर्पण की वक्रता त्रिज्या,
 $R = 30 - 10 = 20 \text{ cm}$
 $f = \frac{R}{2}$
 $f = 10 \text{ cm}$

1

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

1

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

अथवा

- (a) प्रकाश के व्यतिकरण एवं विवर्तन में भेद बताना। (1)
 प्रकाश की तीव्रता ज्ञात करना:
 (i) पथांतर $\frac{\lambda}{3}$ के लिए।
 (ii) पथांतर $\frac{\lambda}{4}$ के लिए। (1+1)
 (b) प्रकाश के तरंगदैर्घ्य का परिकलन करना। (2)

1

(a)

व्यतिकरण	विवर्तन
1. दीप्त और अदीप्त फ्रिंजों की चौड़ाई समान होती है।	1. केंद्रीय उच्चिष्ठ की चौड़ाई द्वितीयक उच्चिष्ठ या निम्निष्ठ की चौड़ाई से दोगुनी होती है।
2. सभी दीप्त फ्रिंजों की तीव्रता समान होती है।	2. केंद्रीय उच्चिष्ठ से दूर जाने पर दीप्त फ्रिंजों की तीव्रता घटती है।
3. दीप्त और अदीप्त फ्रिंजों के बीच सम अंतर होता है।	3. दीप्त और अदीप्त फ्रिंजों के बीच सम अंतर नहीं होता।
4. तीव्रता वितरण तीक्ष्ण होता है।	4. तीव्रता वितरण व्यापक होता है।
	

(कोई एक)

$\frac{1}{2}$

$$(i) I = 4I_0 \cos^2 \frac{\phi}{2}$$

$$\Delta x = \frac{\lambda}{3}$$

$$\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{3} = \frac{2\pi}{3}$$

$$I_1 = 4I_0 \cos^2 \frac{\pi}{3}$$

$$I_1 = I_0$$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$$(ii) \Delta x = \frac{\lambda}{4}$$

$$\phi = \frac{2\pi}{\lambda} \times \frac{\lambda}{4} = \frac{\pi}{2}$$

$$I_2 = 4I_0 \cos^2 \frac{\phi}{2}$$

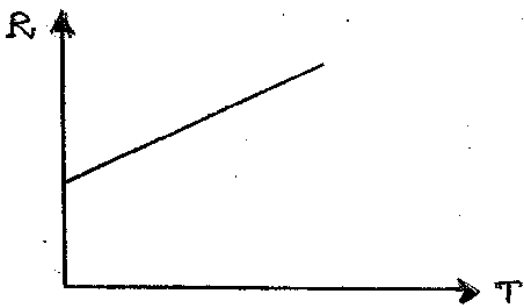
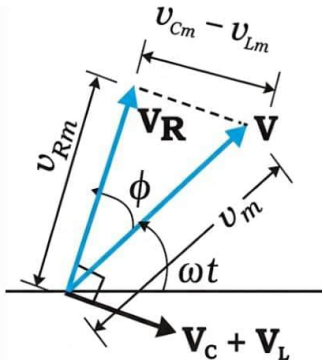
$$I_2 = 4I_0 \cos^2 \frac{\pi}{4}$$

$$I_2 = 2I_0$$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

		1	5
33.	(क) श्रेणीक्रम LCR परिपथ की प्रतिबाधा के लिए व्यंजक व्युत्पन्न करना। (2) • अनुनाद से गत्यर्थ बताना। (½) • अनुनादी आवृत्ति के लिए व्यंजक निकालना। (½) (ख) दो हानियाँ लिखना। (1+1)  $V_C > V_L$ के लिए $V_{Rm} = I_m R$, $V_{Cm} = I_m X_C$, $V_{Lm} = I_m X_L$ फेज़र संबंध: $\vec{V}_L + \vec{V}_R + \vec{V}_C = \vec{V}$ पाइथागोरस प्रमेय द्वारा, $V_m^2 = V_{Rm}^2 + (V_{Cm} - V_{Lm})^2$ $I_m^2 Z^2 = (I_m R)^2 + (I_m X_C - I_m X_L)^2$ $I_m^2 Z^2 = I_m^2 [R^2 + (X_C - X_L)^2]$ $Z = \sqrt{R^2 + (X_C - X_L)^2}$ जब संधारित्र के सिरों पर विभवान्तर प्रेरक के सिरों पर विभवान्तर के समान हो जाता है तो अनुनाद की स्थिति होती है / धारा का आयाम अधिकतम होता है / प्रतिबाधा न्यूनतम हो जाती है। (कोई एक) अनुनादी आवृत्ति के लिए व्यंजक न्यूनतम Z के लिए, $X_C = X_L$ $\frac{1}{\omega_0 C} = \omega_0 L$ $\omega_0 = \frac{1}{\sqrt{LC}}$ अथवा $\nu_0 = \frac{1}{2\pi\sqrt{LC}}$	½ ½ ½ ½	

	(b) (i) उष्मा के कारण ऊर्जा क्षय (I^2Rt) अधिक होगा। (ii) संप्रेषण में वोल्टता क्षय अधिक होगा। (iii) लागत खर्च अधिक होगा। (कोई दो). अथवा	1+1	
	(a) परिकलन करना (i) जनित्र से ली गई अधिकतम धारा (1½) (ii) कुंडली से गुजरने वाला फ्लक्स जब धारा शून्य होती है। (1½) (b) व्यावहारिक जनित्रों के दो उदाहरण। (½ + ½) उनमें आर्मेचर के घूर्णन में संक्षेप व्याख्या। (½ + ½) (a) (i) $N = 500, A = 25 \times 100 \times 10^{-4} \text{ m}^2, \omega = 60 \text{ rad s}^{-1} B = 0.4 \text{ T}$ $R = 250 \Omega$ $I_0 = \frac{NBA\omega}{R}$ $I_0 = \frac{500 \times 0.4 \times 25 \times 100 \times 10^{-4} \times 60}{250}$ $I_0 = 12 \text{ A}$ (ii) जब कुंडली में धारा शून्य होती है तब चुंबकीय फ्लक्स अधिकतम होता है। $\phi_{\max} = NBA$ $= 500 \times 0.4 \times 2500 \times 10^{-4}$ $\phi_{\max} = 50 \text{ Wb}$ (b) जल विद्युत जनित्र आर्मेचर को घुमाने के लिए आवश्यक यांत्रिक ऊर्जा ऊँचाई से गिरते हुए पानी द्वारा प्राप्त की जाती है। तापीय जनित्र : कोयला या अन्य स्रोतों का उपयोग करके पानी में गर्मी करके भाप पैदा करते हैं। उच्च दाब पर भाप को आर्मेचर को घुमाने के लिए प्रयोग में लाते हैं। नाभिकीय जनित्र : आर्मेचर की घूर्णन के लिए नाभिकीय ईंधन का उपयोग किया जाता है। (कोई दो)	½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½	5